InstaPDF
INSTAPDF.IN

आरती जय जगदीश हरे

ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी! जय जगदीश हरे।
भक्तजनों के संकट, क्षण में दूर करे॥
ॐ जय जगदीश हरे ॥

जो ध्यावै फल पावै, दुख बिनसे मन का।
सुख-संपत्ति घर आवै, कष्ट मिटे तन का॥
ॐ जय जगदीश हरे ॥

मात-पिता तुम मेरे, शरण गहूं किसकी।
तुम बिनु और न दूजा, आस करूं जिसकी॥
ॐ जय जगदीश हरे ॥

INSTAPDF.IN

तुम पूरन परमात्मा, तुम अंतरयामी ॥
पारब्रह्म परेमश्वर, तुम सबके स्वामी ॥
ॐ जय जगदीश हरे ॥

तुम करुणा के सागर तुम पालनकर्ता ।
मैं मूरख खल कामी, कृपा करो भर्ता ॥
ॐ जय जगदीश हरे ॥

तुम हो एक अगोचर, सबके प्राणपति ।
किस विधि मिलूं दयामय! तुमको मैं कुमति ॥
ॐ जय जगदीश हरे ॥

दीनबंधु दुखहर्ता, तुम ठाकुर मेरे ।
अपने हाथ उठाओ, द्वार पड़ा तेरे ॥
ॐ जय जगदीश हरे ॥

INSTAPDF.IN

विषय विकार मिटाओ, पाप हरो देवा।
श्रद्धा-भक्ति बढ़ाओ, संतन की सेवा॥
ॐ जय जगदीश हरे ॥

तन-मन-धन और संपत्ति, सब कुछ है तेरा।
तेरा तुझको अर्पण क्या लागे मेरा॥
ॐ जय जगदीश हरे ॥

जगदीश्वरजी की आरती जो कोई नर गावे।
कहत शिवानंद स्वामी, मनवांछित फल पावे॥
ॐ जय जगदीश हरे ॥

INSTAPDF.IN

InstaPDF
INSTAPDF.IN

Hi! We're InstaPDF. A dedicated portal where one can download any kind of PDF files for free, **with just a single click**.

https://instapdf.in

READ DISCLAIMER